संवाद पत्र
पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 15 वर्ष : चतुर्थ त्रैमासिक जुलाई , 2010

रेल सप्ताह समारोह 2010

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल, रेल सप्ताह समारोह को संबोधित करते हुए

पूर्वोत्तर सीमा रेल व निर्माण संगठन का 55वां क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह दिनांक 12.04.10 को रंग भवन, मालीगांव में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने वर्ष 2009-2010 के दौरान अधिकारियों तथा कर्मचारियों के उल्लेखनीय कार्य निष्पादन के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने वर्ष 2009-10 के दौरान इस रेलवे की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2009-10 के बजट में माननीया रेलमंत्री द्वारा की गई सभी घोषणाओं को पूर्वोत्तर सीमा रेल ने लागू कर दिया है। इस मौके पर उन्होंने गुवाहाटी और न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशनों को विश्व स्तर के स्टेशनों के रूप में विकसित करने के लिए चुने जाने का भी जिक्र किया। महाप्रबंधक ने रेल कर्मियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए "सीनियर सिटिजन हेल्पलाइन" नाम से एक वेब पोर्टल शुरू करने का भी उल्लेख किया। इस पोर्टल से वे अपने संशोधित पेंशन (छठे वेतन आयोग के पश्चात) की स्थिति का पता कर सकते हैं और इसके माध्यम से ऑन लाइन स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। यह पोर्टल महत्वपूर्ण परिपत्रों, आदेशों तथा दिशा-निर्देशों के बारे में भी ऐसी सूचना उपलब्ध कराता है जो "बहुधा पूछे गए प्रश्नों (FAQs)" की सूची के माध्यम से पूछे जाते हैं। समारोह के दौरान उन्होंने सराहनीय कार्य करने वाले रेल कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए। निर्माण संगठन को कुल 44 व्यक्तिगत नकद पुरस्कार और 2 सामूहिक नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस वर्ष निर्माण संगठन की इंजीनियरिंग शील्ड संयुक्त रूप से उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण डिब्रूगढ़ /1 तथा 2 को प्रदान की गई तथा निर्माण संगठन की नॉन-इंजीनियरिंग शील्ड उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव तथा उप मुख्य बिजली इंजीनियर/निर्माण-1 को संयुक्त रूप से प्रदान की गई।

महामहिम राज्यपाल, मणिपुर का दौरा

निरीक्षण के दौरान श्री गुरूबचन जगत, महामहिम राज्यपाल, मणिपुर

श्री गुरूवचन जगत, महामहिम राज्यपाल, मणिपुर ने दिनांक 20.03.2010 को जिरिबाम का दौरा किया। उन्हें जिरिबाम-इंफाल परियोजना से संबंधित योजना तथा प्रगति से अवगत कराया गया और जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना के निष्पादन में आ रही समस्याओं, विशेषकर कानून व व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी समस्याओं की जानकारी दी गई।

अध्यक्ष, उच्चाधिकार प्राप्त स्थायी समिति का दौरा

(चित्र में बायें से): श्री राधे श्याम, मु.प्र.अधि./नि, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि, श्री श्री प्रकाश, अध्यक्ष उच्चाधिकार प्राप्त स्थायी समिति, श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक/नि.

श्री श्री प्रकाश, अध्यक्ष, उच्चाधिकार प्राप्त स्थायी समिति ने दिनांक 4.6.10 को श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के साथ पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) के मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण तथा पू.सी. रेल (निर्माण) के अन्य विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय को निर्माण संगठन के अधीन चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति एवं उनके निष्पादन की योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री जगन्नाथ	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

निर्माण संगठन एवं इरकॉन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए निर्माण संगठन एवं इरकॉन के अधिकारी

पू.सी.रेल निर्माण संगठन एवं इरकॉन के बीच 44.39 कि.मी. लम्बी सेवक-रंगपो नई बी.जी.लाइन परियोजना के निर्माण के संबंध में निर्माण संगठन मुख्यालय, मालीगांव में दिनांक 07.05.2010 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। भारत के महामहिम उप-राष्ट्रपति, मो.हामिद अंसारी तथा माननीया रेल मंत्री सुश्री ममता बैनर्जी द्वारा दिनांक 30.10.2009 को क्रमश: रंगपो तथा सेवक में 1339.48 करोड़ रूपए की इस परियोजना के लिए शिलान्यास किए गए थे। पू.सी.रेल निर्माण संगठन की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, श्री राधे श्याम और इरकॉन की ओर से श्री दीपक सभलोक, निदेशक परियोजना ने महाप्रबंधक/निर्माण, श्री शिव कुमार तथा श्री मोहन तिवारी, प्रबंध निदेशक और श्री के.के.गुप्ता, महाप्रबंधक, इरकॉन की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

संस्कृति एक्सप्रेस महोत्सव

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल कविगुरू रवींद्रनाथ टैगोर की कृतियों का अवलोकन करते हुए।

भारतीय रेल की ओर से विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के मौके पर निकाली गई संस्कृति-यात्रा शीर्षक प्रदर्शनी ट्रेन दिनांक 13.6.2010 को कामाख्या स्टेशन पर पहुंची। इस ट्रेन के कामाख्या स्टेशन पर पहुँचने पर श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने इसे आगंतुकों के लिए सार्वजनिक किया। संस्कृति एक्सप्रेस प्रदर्शनी गाड़ी 13 जून से 15 जून 2010 तक कामाख्या स्टेशन पर खड़ी रही। प्रदर्शनी ट्रेन आम जनता के लिए प्रतिदिन प्रात: 8.00 बजे से रात 8.00 बजे तक खुली रही। इस विशेष प्रदर्शनी ट्रेन में कविगुरू के कृतित्व व व्यक्तित्व से संबंधित चित्र प्रदर्शित किए गए। 14 जून 2010 को शाम 05:30 बजे रंग भवन, मालीगांव में रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ और दिनांक 15 जून 2010 को सायं 05:30 बजे से कोलकाता की प्रसिद्ध बत्याजन नाटक मंडली द्वारा "रूद्ध संगीत" (नाटक) का मंचन किया गया। रेल परिवारों के अलावा स्थानीय जनता ने भी प्रदर्शनी को भारी संख्या में आकर देखा और इसकी बहुत प्रशंसा की।

भारत रत्न, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का 119 वां जन्म दिन समारोह

दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण

दिनांक 16.04.10 को भारत रत्न, डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 119 वां जन्म दिन निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा डॉ. अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला एवं पुष्पांजलि देकर मनाया गया।

आतंकवाद विरोधी दिवस

शपथ दिलाते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण

दिनांक 21.05.10 को पूर्व प्रधान मंत्री, स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक/निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ दिलाई।

रंगाली बिहु समारोह

रंगाली बिहु समारोह में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/पू.सी.रेल एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती अंजना रागदेव

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मालीगांव रेलवे स्टेडियम में रंगाली बिहु हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनांक 13.04.10 को श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहु नृत्य के अलावा असम के विभिन्न समुदायों ने अपने-अपने लोक नृत्य प्रस्तुत किए।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का एक दृश्य

मार्च, 2010 को समाप्त तिमाही के लिए इस वर्ष की दूसरी बैठक का आयोजन श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 29.06.2010 को किया गया। बैठक में राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधी विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया और वर्ष 2010-11 के वार्षिक कार्यक्रम पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। निर्माण संगठन में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का प्रस्तुतीकरण पहली बार पॉवर प्वांइट द्वारा किया गया है।

डिब्रूगढ़ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन

डिब्रूगढ़ बैठक का एक दृश्य

निर्माण संगठन की डिब्रूगढ़ फील्ड यूनिट में दिनांक 17.05.10 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित कर उसी दिन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक श्री महेंद्र सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डिब्रूगढ़ -II की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में डिब्रूगढ़ स्थित निर्माण संगठन के अन्य कार्यालयों के अधिकारियों ने भी सदस्य के रूप में भाग लिया। निर्माण संगठन के प्रतिनिधि के रूप में श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक/राजभाषा ने बैठक में भाग लिया और राजभाषा नीति पर विस्तृत चर्चा की।

हिंदी पुस्तकालय के लिए हिंदी पुस्तकों की खरीद

निर्माण संगठन के हिंदी पुस्तकालय में वित्त वर्ष 2009-10 के लिए विभिन्न विधाओं पर हिंदी की 61 पुस्तकें खरीदी गई। इसके साथ ही अब हिंदी पुस्तकालय में कुल 830 हिंदी पुस्तकें उपलब्ध हैं। निर्माण संगठन के पाठकगण अपनी रूचि अनुसार इन पुस्तकों का लाभ उठा रहे हैं।

हिंदी पुस्तकालय के लिए मानार्थ पुस्तकें

प्रगतिगामी कथाकार श्री नंदकिशोर नंदन ने अपना कहानी संग्रह- "मेरा वतन कहाँ है?" श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण को सप्रेम भेंट किया था। महाप्रबंधक/निर्माण ने यह पुस्तक निर्माण संगठन के हिंदी पुस्तकालय को दिनांक 31.05.2010 को सप्रेम भेंट की है। इसी प्रकार हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रकाशित युवाओं की श्रेष्ठ रचनाओं का संकलन "संभावना" भी महाप्रबंधक/निर्माण ने हिंदी पुस्तकालय को सप्रेम भेंट किया है।

राजभाषा विभाग, निर्माण संगठन इन दोनों पुस्तकों के लिए महाप्रबंधक/निर्माण के प्रति आभार प्रकट करता है।

वार्षिक कार्यक्रम वर्ष 2010-11 के संबंध में विशेष बिंदु

राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के संबंध में निम्नलिखित बिंदु विशेष रूप से विचारणीय हैं:-

- यह जरूरी है कि संसदीय राजभाषा समिति की रिपोर्ट के आठ खंडों पर जारी किए गए राष्ट्रपति के आदेशों का सभी विभागों/कार्यालयों द्वारा अनुपालन किया जाए।
- कंप्यूटर, ई-मेल, वेबसाइट सहित उपलब्ध सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए हिंदी में काम बढ़ाया जाए।
- हिंदी, हिंदी टंकण/आशुलिपि संबंधी प्रशिक्षण कार्य में तीव्रता लाएं ताकि तत्संबंधी लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में प्राप्त किया जा सके।
- राजभाषा कार्य से संबंधित अधिकारियों को समस्त कार्यकलापों से परिचित कराया जाना आवश्यक है, जिससे कि वे अपने दायित्व अच्छी तरह निभा पाएं।
- सभी विभाग/कार्यालय अपने विषयों से संबंधित संगोष्ठियाँ हिंदी माध्यम से आयोजित करें।
- संघ की राजभाषा नीति का आधार प्रेरणा और प्रोत्साहन हैं, किंतु राजभाषा संबंधी अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए। जानबूझकर राजभाषा संबंधी आदेशों की अवहेलना के लिए मंत्रालय/विभाग अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर विचार कर सकते हैं।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.)

रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार आजरा-बरनीहाट नई लाइन के वैकल्पिक संरेखण के रूप में तेतेलिया-बरनीहाट का परीक्षण किया गया । इसे संबंधित पक्षों अर्थात असम, मेघालय एवं ओपन लाइन द्वारा अनुमोदित किया गया। तेतेलिया से बरनीहाट तक प्रस्तावित वैकल्पिक संरेखण का राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है एवं अंचल अधिकारी द्वारा भू-अधिग्रहण अभिलेखों को भू-अधिनियम के सेक्शन 4 (1) के अंतर्गत अधिसूचना जारी करने हेतु उपायुक्त को सुपुर्द कर दिया गया है। 12 भू-अधिग्रहण मामलों में से 4 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए सेक्शन 4(1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई एवं 1 भू-अधिग्रहण मामला सरकारी भूमि से संबंधित है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया गया एवं दिनांक 05-05-10 को 390 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत किया गया। विस्तृत प्राक्कलन की स्वीकृति के पश्चात आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी ।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा) तक नई लाइन (88 कि. मी.)

मुख्य सचिव, नागालैंड ने अपने दिनांक 15-01-10 के पत्र सं.-टी पी टी/रेल-9/97 (पीटी) के तहत सी एच 0.00 से 17.80 तक के अनुमोदित संरेखण को परिवर्तित करने का अनुरोध किया है । उन्होंने सुझाव दिया है कि पहले अनुमोदित किए गए संरेखण के बदले में मौजूदा धनश्री रेलवे स्टेशन को हटाकर सखावी रेलवे स्टेशन (सी एच-17.80) से जोड़ दिया जाए । तदनुसार रेलवे स्टेशन धनश्री (241.47 कि.मी.) के मौजूदा स्टेशन से सखावी तक जोड़ने का साध्यता अध्ययन किया गया तथा कार्यस्थल उपयुक्त पाया गया। दिनांक 23-02-2010 को परिवर्द्धित संरेखण को अनुमोदन हेतु मुख्य सचिव, नागालैंड सरकार को भेज दिया गया है। साथ ही दिनांक 06-05-10 को तत्संबंधी अनुस्मारक भी भेजा गया । राज्य सरकार से इस नई संरेखण के लिए स्वीकृति अपेक्षित है । रेलवे बोर्ड ने इस कार्य को निष्पादन हेतु आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया है ।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण का कार्य तथा अगरतला से सबरूम तक कंक्रीट पिलरों को भूमि पर स्थापित कर संरेखण की स्टैकिंग का कार्य पूरा किया गया । कुल 46 कार्य स्थलों की (44.20 कि.मी.) भू-तकनीकी जाँच पूरी कर ली गई है । दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 336.17 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है । उदयपुर से सबरूम तक कुल 1094.69 करोड़ रूपए का पार्ट II विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु दिनांक 30.4.2010 को रेलवे बोर्ड भेजा गया है।

मैरवी से साइरंग तक नई बड़ी लाइन (51.38 कि.मी.)

मेसर्स राइट्स ने 4 स्थलों पर सर्वेक्षण दल तैनात कर एफ एल एस कार्य प्रारंभ कर दिया है । जी पी एस, ट्रैवर्सिंग, समतलीकरण तथा स्थलाकृति सम्पूर्ण 50.90 कि.मी के लिए पूरी कर ली गई है तथा भूमि पर संरेखण का 22 कि. मी स्टैकिंग पूरा किया गया ।

रोवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

यह परियोजना मेसर्स इरकॉन को निष्पादन हेतु सौंपी गई है। दिनांक 30-12-09 को 3380.58 करोड़ रूपये का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड भेजा गया है। दिनांक 20-02-2010 को वास्तविक कार्य का शुभारंभ किया गया है।

रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित समझौता ज्ञापन पर इरकॉन के साथ दिनांक 7-5-10 को हस्ताक्षर किए गया।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

इस नए कार्य को (अनुमानित लागत 4083.02 करोड़ रूपए) रेल बजट 2010-11 में स्वीकृत किया गया है तथा वर्ष 2010-11 में कुल 20 करोड़ रूपए परिव्यय के लिए स्वीकृत किया गया है। मेघालय सरकार से प्रस्तावित संरेखण को अनुमोदित करने का आग्रह किया गया है । निर्माण-पूर्व क्रियाकलापों के लिए आंशिक प्राक्कलन स्वीकृत किया गया । दिनांक 18-05-10 को फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए ठेका प्रदान किया गया एवं भू-तकनीकी विश्लेषण हेतु भी निविदा आमंत्रित की गई हैं।

लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बराईग्राम एवं बराईग्राम-कुमारघाट का आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

कुल 677.83 लाख क्यूबिक मीटर में से 640.80 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 377.56 कि.मी. में से 317.29 कि.मी. फार्मेशन, 10,650 मीटर में से 5271.85 मीटर सुरंग, 1217 मीटर में से 586.0 मीटर कट एंड कवर, 95 बड़े पुलों में से 74 की उप संरचना और 130 बड़े पुलों में से 51 की अधिसंरचना, 652 में से 592 छोटे पुलों, 9.07 लाख क्यूबिक मीटर में से 5.292 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति, 388.56 कि.मी. में से 62.84 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग एवं कुल 509.81 हेक्टर में से 500.39 हेक्टर भूमि अधिग्रहण इस परियोजना की संचयी प्रगति रही।

सुरंग संख्या-10 (3235 मी. लम्बी) जो परियोजना का सबसे जटिल कार्य है, जिसके शेष कार्य हेतु रिस्क एण्ड कॉस्ट निविदा आमंत्रित की गई थी और रेलवे बोर्ड को दिनांक 9.3.09 को टी.सी. की सिफारिश भेज दी गई। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 27-04-2010 को निविदा निष्पादित कर दी है। नई निविदा आमंत्रित की गई है जो दिनांक 9.7.10 को खोली जाएगी।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-भुकोंगरोत्तेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

कुल 59.728 लाख क्यूबिक मीटर में से 29.68 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 510.48 कि. मी. में से 183.10 कि. मी. का फार्मेशन, 661 छोटे पुलों में से 232 छोटे पुल, 206 बड़े पुलों में से 70 की उप संरचना एवं 9 की अधिसंरचना तथा 1.52 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति की संचयी प्रगति रही। सावरमती रेलवे वर्कशॉप के तीन पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मी. के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों की संरचना के लिए कार्य आदेश दे दिया गया है एवं संरचना कार्य प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन 2010-2011

2010-2011 का परिव्यय

♦ रेलवे बजट	=	872.14 करोड़ रुपये
♦ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	0.62 करोड़ रुपये
कुल	=	872.76 करोड़ रुपये

खर्च 2010-2011

♦ मई, 2010 के दौरान खर्च	=	70.35 करोड़ रुपये
	+	0.00 करोड़ रुपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	70.35 करोड़ रुपये
♦ मई, 2010 तक संचयी खर्च (लगभग)	=	147.41 करोड़ रुपये
	+	0.58 करोड़ रुपये (निक्षेप खर्च)
कुल	=	147.99 करोड़ रुपये
परिव्यय का खर्च (%)	=	16.96 %

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ कामाख्या में कोच रख-रखाव के लिए अधिसंरचना का विकास(फेज-II)	100 %	कार्य पूरा हुआ
♦ एन.जे.पी. में वैगन अनुरक्षण सुविधा (सिक लाइन) का अपग्रेडेशन अधिसंरचना का विकास(फेज-II)	100 %	कार्य पूरा हुआ
♦ डिब्रूगढ़ वर्कशॉप- ए.सी. कोच के लिए पीरियाडिकल ओवरहालिंग शॉप	99 %	फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है
♦ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90 %	कार्य प्रगति पर है
♦ डिब्रूगढ़ वर्कशॉप- पीरियाडिकल ओवरहालिंग क्षमता को 60 बी.जी. कोच प्रति माह करना	78%	कार्य प्रगति पर है

वर्ष 2010-2011 में लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

परियोजना	प्रगति	लक्ष्य
♦ फकीरागाम से धुबडी 66 कि.मी.(आमान परिवर्तन)	100 %	कार्य पूरा हुआ
♦ मालदा टाउन-ओल्ड मालदा टाउन (0.4 कि.मी.) दोहरीकरण	100 %	कार्य पूरा हुआ
♦ न्यू गुवाहाटी-बिगारू (29.814 कि.मी.) दोहरीकरण	85.16 %	31.12.10

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
♦ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्यूनिकेशन	गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुड़ी-मालदा टाउन-कटिहार सेक्शन में एम.टी. आर.सी. प्रणाली का संचालन 10 जनवरी, 2010 से चालू किया गया। कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।
♦ न्यूजलपाईगुड़ी-बारसोई-मालदा टाउन व बारसोई-कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्यूनिकेशन	कटिहार मंडल का 'वे साइड सिस्टम' दिनांक 26.05.10 को अनुरक्षण संगठन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा कर लिया गया है।
♦ पानीतोला-डिब्रूगढ़ टाउन : स्टैन्डर्ड III पैनल इन्टरलाकिंग तथा एम.ए.सी.एल द्वारा सिगनलों का पुन:स्थापन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)।	डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य चालू करने के लिए तैयार है। सी.आर.एस. स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। तिनसुकिया मंडल से एन.आई. प्रोग्राम अपेक्षित है।	-

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	सामरी से ढालखोला तक नई लाइन	2009-10	पश्चिम बंगाल	100%	मई, 2010 में कार्य पूरा हुआ।
2.	दुल्लबचेरा से चेराजी तक नई लाइन	2009-10	असम	80%	जून, 2010
3.	मुर्कोंगसेलेक से पासीघाट नई लाइन	2010-11	असम व अरूणाचल प्रदेश	100%	अप्रैल, 2010 में कार्य पूरा हुआ।
4.	सलोना से खुमताई तक नई लाइन	2010-11	असम	100%	मई, 2010 में कार्य पूरा हुआ।
5.	न्यू जलपाईगुड़ी से न्यू अलीपुरद्वार तक दोहरीकरण	2010-11	पश्चिम बंगाल	60%	जून, 2010
6.	हल्दीबाड़ी से चेंगराबंधा तक नई लाइन	2010-11	पश्चिम बंगाल	20%	जुलाई, 2010

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

सेवानिवृत्त समारोह का एक दृश्य

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह निर्माण संगठन की परिपाटी के अनुसार अप्रैल, मई तथा जून 2010 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कमचारियों के लिए आयोजित किए गए। अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए।

निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की शुभकामनाएं देता है।

पदस्थापन

श्री ए. कछारी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/शिलापथार स्थानांतरण पर दिनांक 20.04.2010 को महाप्रबंधक/निर्माण के सचिव के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री रवीद्र साह, का.इंजी/नि/एनजेपी पदोन्नति पर दिनांक 20.04.2010 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालदा टाउन के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री के.एन. तालुकदार, का.इंजी/निर्माण/योजना पदोन्नति पर दिनांक 20.04.2010 को उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/योजना के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री एस. संजय, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण/एनजेपी स्थानांतरण पर दिनांक 20.04.2010 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव-1 के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री पी.के. कलरवाल, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण ने आईआईएम/बेंगलुर में प्रशिक्षण के बाद दिनांक 01.06.2010 को उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ निर्माण/लमर्डिंग का पदभार ग्रहण किया।

स्थानांतरण

श्री के. सिंगसन, उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी./नि/मालीगांव-2 का दिनांक 20.04.2010 को उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी /नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री ए.के. दास, उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी/नि/मालीगांव-1 का दिनांक 20.04.2010 को उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी/नि/मालीगांव-2 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री बी. हजारिका, उप मु.बि.इंजी./नि/मालीगांव का दिनांक 21.04.2010 को उप मु.बि. इंजी./टेली/मुख्यालय के पद पर ओपन लाइन में स्थानांतरण हुआ।

श्री के.टी. बैचो, उप बि.स.एवं मुलेधि/नि/3 का दिनांक 8.06.2010 को पू.सी. रेल, ओपन लाइन में स्थानांतरण हुआ।

श्री संजय सी., उप मु. सि. एवं दू. सं. इंजी./नि/1/मालीगांव का दिनांक 18.06.10 को पू.सी. रेल की विद्युतीकरण परियोजनाओं के लिए महाप्रबंधक/कोर/इलाहाबाद के अधीन कोर/इलाहाबाद में स्थानांतरण हुआ।

श्री टी.आर. रॉय प्रमाणिक, उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी./नि/मुख्या. का दिनांक 18.06.10 को उप मु. सि. एवं दू. सं. इंजी./नि/1/मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री पवन कुमार, मं.सि.एवं दू.सं.इंजी./नि का दिनांक 18.06.10 को पदोन्नति पर उप मु.सि.एवं दू.सं.इंजी./नि/मुख्या. के पद पर स्थानांतरण हुआ।

स्वागत

श्री के. वी. अंगामी, ए.सी. / 4 बीएन / आर.पी.एस.एफ / एन.जे.पी. दिनांक 06.04.10 को ए.एस.सी. / नि के रूप में पदस्थापित हुए।

श्री सुभाष चंद्र, उप मु.बि.इंजी./ मुख्यालय स्थानांतरण पर दिनांक 22.4.10 को उप मु.बि.इंजी./नि./1 के रूप में पदस्थापित हुए।

श्री जी. काबुई, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक/ लमर्डिंग स्थानांतरण पर दिनांक 10.06.2010 को उप वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/नि/3 के रूप में पदस्थापित हुए।

अलविदा

श्री एस. प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/योजना का दिनांक 31.3.2010 को दक्षिण मध्य रेल पर स्थानांतरण हुआ।

श्री पी.एस. अलावा, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निमार्ण/लमर्डिंग का दिनांक 1.06.2010 को दक्षिण पश्चिम रेलवे पर स्थानांतरण हुआ।

श्रद्धांजलि

श्री के. बालाचंद्रन, पूर्व महाप्रबंधक/निर्माण (जो बाद में रेलवे बोर्ड से सदस्य बिजली के पद से सेवानिवृत्त हुए) दिनांक 04.05.2010 को स्वर्ग सिधार गए। दिवंगत श्री बालाचंद्रन को श्रद्धांजलि देने के लिए दिनांक 07.05.2010 को निर्माण संगठन परिसर में एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण तथा अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण शामिल हुए। श्रीमती बालाचंद्रन को निर्माण संगठन की ओर से श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि. द्वारा हस्ताक्षरित संवेदना संदेश भेजा गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित पर्यटन स्थल

भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र 8 राज्यों असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, अरूणाचल प्रदेश तथा सिक्किम से बना है। यहाँ प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, पहाड़, नदी, झरना, खूबसूरत दृश्य आदि सभी कुछ मौजूद हैं जो एक पर्यटक चाहता है। इन पूर्वोत्तर राज्यों के प्रमुख पर्यटन स्थल ये हैं:-

असम

असम नीली पहाड़ियों, पेड़-पौधों, फूल-वनस्पतियों, चाय बागानों, दुर्लभ नस्ल के गैंडों सहित मेलों और पर्वों की भूमि है। असम पूर्वोत्तर राज्य का गेटवे कहलाता है। असम का प्रमुख शहर गुवाहाटी है जो ब्रह्मपुत्र नदी के दोनों ओर बसा है। यह दिल्ली से 2760 किलोमीटर दूर है। गुवाहाटी के दर्शनीय स्थलों में है- विख्यात कामाख्या देवी का मंदिर, वशिष्ठ आश्रम, नव ग्रह मंदिर, उग्रतारा मंदिर, अश्वक्लांत मंदिर तथा उमानंद मंदिर जो ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित एशिया के सबसे छोटे नदी द्वीप ''पिकॉक आईलैंड'' में विराजमान है। गुवाहाटी से लगभग 200 किमी दूरी पर स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान भी देश-विदेश के पर्यटकों का आकर्षण केंद्र है।

मेघालय

मेघालय यानी बादलों का घर विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। मेघालय की राजधानी शिलांग एक मुख्य शहर है। शिलांग में वार्ड लेक, शिलांग पीक, बॉटेनिकल गार्डन, विशप वीडन (2 झरने) तथा शिलांग से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एलीफेंटा जलप्रपात प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। शिलांग झरनों का शहर है।

मणिपुर

मणिपुर में दुर्लभ किस्म के पेड़-पौधे और पशु-पक्षी पाए जाते हैं। यहाँ बहुत सारे ऊँचे पहाड़ी रेंज हैं तो कहीं अपेक्षाकृत कम ऊंचाई वाली पहाड़ियाँ। मणिपुर की राजधानी इंफाल का मदर मार्केट, जहाँ पूरी तरह से महिलाओं का अधिपत्य है, देखने लायक है। यहाँ लोकटक और सेंट्रा नाम के टापुओं को देखने के लिए पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। लोकटक लेक पूर्वोत्तर भारत की सब से बड़ी ताजे पानी की झील है।

मिजोरम

मिजोरम को पूर्वोत्तर में भारत का आखरी छोर कहा जा सकता है। मिजोरम की राजधानी आइजोल 112 साल पुराना शहर है। यहाँ झूम की खेती होती है जो पर्यटकों का खास आकर्षण का केंद्र है। आइजोल से 85 किलोमीटर की दूरी पर टाम डिल झील है जहाँ बोटिंग की जा सकती है। आइजोल का वानतांग जलप्रपात बहुत ही खूबसूरत है। थेंजाल हिल रटेशन से यह मात्र 5 किलामीटर की दूरी पर स्थित है।

नागालैंड

नागालैंड की राजधानी कोहिमा है, पर दिमापुर यहां का मुख्य शहर है, जिसे इस राज्य का गेटवे भी कहा जाता है। दिमापुर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर चुमुकेदमा का टूरिस्ट विलेज कांप्लेक्स है जो पर्यटकों के लिए एक खास आकर्षण केंद्र है। नागालैंड की राजधानी कोहिमा एक हिल स्टेशन है। कोहिमा का कैथेलिक कैथेड्रल भारत का एक विख्यात कैथेड्रल है। जाप्फू पीक, ज्यूकोन वैली तथा मॉडल गांव भी दर्शनीय हैं।

त्रिपुरा

त्रिपुरा पर्यटन की शुरूआत अगरतला से की जा सकती है, जो इस प्रदेश की राजधानी भी है। यहाँ उज्ज्यंत पैलेस, त्रिपुरा के माणिक्य राजाओं का राजमहल है। इस के अलावा यहाँ का उद्यान भी खासा आकर्षित करता है जो किसी मुगलगार्डन का एहसास कराता है। यहाँ बौद्धधर्म के कई स्थल, राज्य संग्रहालय के अलावा ट्राइबल संग्रहालय भी है।

अरूणाचल प्रदेश

पूर्वोत्तर के इस राज्य की राजधानी ईटानगर भालुकपोंग के करीब ही है और भालुकपोंग आर्किड फूलों का स्वर्ग है। आधुनिक ईटानगर में 14वीं सदी का ऐतिहासिक किला ईटा फोर्ट है। पर्यटकों का पसंदीदा स्थल बोमडिला है। बोमडिला से 45 किलामिटर की दूरी पर दिरांग है, जो मठों तथा गरम झरनों के लिए विख्यात है। बोमडिला से 190 किलोमिटर की दूरी पर तवांग स्थित है।

सिक्किम

सिक्किम की राजधानी गंगटोक पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। सिक्किम के मुख्य पर्यटन स्थल हैं-राजधानी गंगटोक, सुकलांखांग पैलेस, डलडल कोर्टन, रिसर्च इंस्टिट्यूट, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हिरण पार्क, इपेकाक गार्डन, चांगू झील, मेंमेचो झील, केचोपरी झील, युमथांग गरम झरना, यमुथांग, रूमटेक मोनेस्ट्री तथा फुडोंग मोनेस्ट्री।

दूसरा स्वर्ग

प्यारे असम को आसमां छूने तो दीजिए,
भारतभूमि पर दूसरा स्वर्ग इसे बनने तो दीजिए।

दिनकर भी यहाँ पहले आकर जगाता है,
आसमां भी तारों से जल्दी भर जाता है।

कितनी सुहावनी हैं असम की पहाड़ियाँ,
सबको पसंद हैं यहाँ चलती रेल गाड़ियाँ।

जब से आया हूँ यहाँ, प्रकृति को देख रहा हूँ,
असम की हरियाली का कायल हो गया हूँ।

सोचा भी नहीं था कभी यहाँ आकर रहेंगे,
असम की इस धरती पर हम भी घूमा-फिरेंगे।

ब्रह्मपुत्र का जल पीकर यहाँ सब जी रहें है,
माँ कामाख्या के आँचल तले सब रह रहे हैं।

आओ सब मिलकर यहाँ अमन का चमन लगाएं,
असम की पावन धरती पर खुशहाली फैलाएं।

-जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण

जलपान-गृह सहायता समारोह

जलपान-गृह सहायता सामग्री प्रदान करते हुए महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती अंजना रामदेव

दिनांक 6.5.10 को निर्माण संगठन के जलपान-गृह को सहायता उपलब्ध करवाने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती अंजना रामदेव के नेतृत्व में निर्माण संगठन के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा द्वारा विभिन्न प्रकार के जलपान-गृह उपयोगी सामान प्रदान किए गए, जिससे निर्माण संगठन में संचालित जलपान-गृह अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवा बेहतर तरीके से कर सके। निर्माण संगठन महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा एवं सभी सदस्यों का आभार प्रकट करता है।

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जुलाई, श्री पी.के. डेका, उप वि. स. एवं मुलेधि/नि.III
05 जुलाई, श्री सुशील कुमार, उप मु.इं./नि/अलीपुरद्वार
07 जुलाई, श्री टी.टी. भूटिया, उप मु.इं./नि/II/सिलापथार
09 जुलाई, श्री के.एल. मीणा, उप मु.इं./नि/I/अभिकल्प
13 जुलाई, श्री शिवकुमार, महाप्रबंधक/निर्माण
15 जुलाई, श्री श्याम सुंदर कालरा, मुख्य इंजीनियर/नि/III
31 जुलाई, श्री एस.पी. देशमुख, उप मु.इं./नि/मालीगांव
19 अगस्त, श्री आनंद प्रकाश, मुख्य इंजीनियर/नि/।
21 अगस्त, श्री टी.पी. आर. नारायण राव, मुख्य इंजीनियर/नि/VIII
23 अगस्त, श्री एम.वी. प्रसाद, उप मु.इं/नि/अगरतला
20 सितम्बर, श्री डी.आर. बोरा, ,उप वि. स. एवं मुलेधि/नि-2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

02, जुलाई, श्री एस.पी. सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/एनजेपी
07, जुलाई, श्री के.वी. वाईगेई, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि-1
15, अगस्त, श्री गोपाल सरकार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/रंगिया

प्रेरणात्मक विचार

1. सपने देखना, उन्हें दृढ़ संकल्प से सार्थक करना आपका जीवन-दर्शन होना चाहिए।
2. श्रेष्ठ नेतृत्व चुम्बक की भांति होता है, जो अच्छे लोगों को अपनी ओर आकृष्ट करता है।
3. सफलता तभी संभव है, जब हम कर्त्तव्य के प्रति समर्पित हों।
4. मन स्वस्थ है तो विचार भी स्वस्थ होंगे।
5. सोचना विकास है, न सोचना विनाश।
6. प्रबुद्ध नेतृत्व का लक्ष्य होना चाहिए, सब को यथासंभव समर्थ बनाना।
7. नेक और ईमानदार व्यक्ति ही अपने विवेक का सही उपयोग कर सकता है।
8. एक दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, तो उसका अपना कुछ भी नहीं जाता।
9. प्रतिदिन एक घंटा पुस्तकें पढ़ने में लगाइए और आप ज्ञान का भंडार बन जाएंगे।
10. अपने अधिकारों की रक्षा इस तरह करें कि सभी के अधिकार सुरक्षित रहें।

श्री ए.पी.जे अब्दुल कलाम
भारत के भूत पूर्व राष्ट्रपति की पुस्तक से साभार

आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है

आत्मविश्वास जगाने के लिए कुछ विशेष सूत्र:-

1. सकारात्मक सोच और आशावादी दृष्टिकोण रखें।
2. बोलने की कला सीखें।
3. लक्ष्य निर्धारित करें।
4. अपना हुनर पहचानें।
5. अच्छे दिनों और उपलब्धियों को याद करें।
6. अच्छी संगत अपनाएं।

"साधना पथ" से साभार

प्रस्तावित नाहरलागुन स्टेशन भवन

राजभाषा अनुभाग/निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी/निर्माण द्वारा प्रकाशित
मुद्रक: दास ग्राफिक्स आफसेट प्रेस, मालीगांव, गुवाहाटी-781012, दूरभाष-98641-01480, 94351-43284